RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 08 अंक-37 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 13 सितम्बर से 19 सितम्बर 2022 पृष्ठ-8 मूल्य -2

ज्ञानवापी फैसला

जैसे ही जज ने सुनाया फैसला, वकीलों ने हर-हर महादेव के लगाए जयकारे

ज्ञानवापी विवाद में जज ने जैसे ही फैसला सुनाया, कोर्ट परिसर में मौजूद वकीलों ने हर हर महादेव के नारे लगाए। याचिकाकर्ता महिलाएं खुशी से झूठ उठीं। उधर, मुस्लिम पक्ष के लोगों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि वे जिला अदालत के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट जाएंगे।

वाराणसी- ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में सोमवार का दिन बेहद अहम रहा। ज्ञानवापी स्थित शृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन और विग्रहों के संरक्षण पर वाराणसी कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। जिला जज डॉ. अजय कृ?ण विश?वेश की अदालत ने इस याचिका पर आगे भी सुनवाई करने का फैसला लिया है। जज का फैसला आते ही कोर्ट परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गूंज उठा। वकीलों ने भी जमकर नारे लगाए। आज दोपहर 2 बजकर 25 मिनट पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

फैसले से नाराज दिखे मुस्लिम पक्षकार, हाई कोर्ट जाएंगे

मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि ये फैसला न्यायोचित नहीं है। हम फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। जज साहब ने फैसला सांसद के कानून को दरकिनार कर दिया। ऊपरी अदालत के दरवाजे हमारे लिए खुले हैं। उन्?होंने कहा कि न्यायपालिका आपकी है। आप सांसद के नियम को नही मानेंगे। सब लोग बिक गए हैं।

ऑर्डर 7 रूल नंबर 11 के आधार पर फैसला

यह आदेश ऑर्डर 7 रूल नंबर 11 के आधार पर दिया गया। इसको यदि आसान भाषा में समझा जाए, तो इसके तहत कोर्ट किसी केस में तथ्यों की मेरिट पर विचार करने के बजाए सबसे पहले ये तय किया जाता है कि क्या याचिका सुनवाई करने लायक है भी या नहीं। रूल 7 के तहत कई वजह है, जिनके आधार पर कोर्ट शुरुआत में ही याचिका को खारिज कर देता है। यदि याचिकाकर्ता ने याचिका को दाखिल करने की वजह स्पष्ट नहीं की हो या फिर उसने दावे का उचित मूल्यांकन न किया हो या उसके मुताबिक कोर्ट फीस न चुकाई गई हो.

इसके अलावा जो एक महत्वपूर्ण आधार है वो है कि कोई कानून उस मुकदमे को दायर करने से रोकता हो।

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती को आज दी जाएगी भू समाधि, जानें क्या है पूरी प्रक्रिया

द्वारका पीठ शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का आज सोमवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा. रविवार को उन्होंने नरसिंगपुर स्थित आश्रम में 99 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली. स्वामी स्वरूपानंद लंबे समय से बीमार चल रहे थे. उनके निधन की वजह कार्डियेक अरेस्ट को बताई जा रही है. स्वामी स्वरूपानंद ने 30 अगस्त को ही अपना 99वां जन्मदिन मनाया था।

वोट के लिए जनता को बेवकूफ नहीं बनाएंगे, 370 कोई भी पार्टी वापस नहीं दिला सकती-गुलाब नबी

कश्मीर । गुलाम नबी आजाद ने जम्मू का दौरा पूरा करने के बाद रविवार को कश्मीर के बारामुला में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वह अनुच्छेद 370 का मुद्दा नहीं उठा रहे हैं। लेकिन जब यह बिल लाया गया था तो उन्होंने विरोध किया था। मैं तब विपक्ष का नेता था जिसने 4 घंटे जमीन पर धरना-प्रदर्शन किया। 370 पर मेरे भाषण को कम से कम 200 देशों ने देखा है, अगर नहीं देखा तो उन्हें आंखों के डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी के आरोप पर कि आजाद ने बिल के समर्थन में वोट दिया था पर कहा कि उन्हें पहले जानना चाहिए कि संसद कैसे काम करती है। उन्होंने बिल के खिलाफ मतदान किया था। कहा कि मैं यहां वोट के लिए लोगों को बेवकूफ बनाने नहीं आया हूं। इस दुविधा में हमने एक लाख युवाओं को खो दिया है।

पिछले 10 सालों से कांग्रेस को 85 से ज्यादा सीटें नहीं मिलीं। राज्यसभा में उसकी स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। मैं नहीं समझता कि कांग्रेस लोकसभा में कभी 350 सीटें जीत पाएगी। ऐसे में जनता को गुमराह क्यों किया जाए। मैं लोगों को चांद-तारे दिलाने के सपने नहीं दिखा सकता।

पाकिस्तान हो जाए सतर्क, जयशंकर के सऊदी अरब पहुंचने पर बोले पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सऊदी अरब के दौरे पर हैं. राजधानी जेद्दाह में एस जयशंकर ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की है. भारत और सऊदी के बढ़ते रिश्तों से पाकिस्तान डर गया है. पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है.

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर पहली बार आधिकारिक दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे हैं. जहां उन्होंने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (ख्क्र्र) से जेद्दाह में मुलाकात की और दोनों देशों के संबंधों को लेकर चर्चा की है. भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के सऊदी अरब दौरे को लेकर पाकिस्तान को चिंता सता रही है. भारत के खाड़ी देशों से मजबूत हो रहे संबंधों को लेकर अब पाकिस्तान परेशान है. पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित ने कहा कि भारत ने गल्फ देशों खासतौर पर सऊदी अरब और यूएई में जो स्पेस बनाया है, उसे पाकिस्तान को गंभीर तौर पर लेना चाहिए. अब्दुल बासित ने आगे कहा कि भारत के गल्फ देशों से संबंध बिल्कुल अच्छे हों, उससे हमें (पाकिस्तान) कोई सीधा सरोकार नहीं है. लेकिन भारत के गल्फ देशों से अच्छे संबंध हमारे हितों की कीमत पर ना हों. पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित ने आगे कहा कि यह एक जरूरी बात है जिसे सामने रखना चाहिए. पूर्व राजनयिक ने कहा कि पाकिस्तान की डिप्लोमेसी में इतनी समझदारी होनी चाहिए कि हम इन चीजों को समझ लें. पाकिस्तान को सऊदी अरब और यूएई के साथ इन मामलों को डिस्कस करना चाहिए, जिससे जो भारत गल्फ देशों में कर रहा है, उसका निगेटिव फॉल पाकिस्तान के रिश्तों पर नहीं हो. अब्दुल बासित ने आगे कहा कि अगर पाकिस्तान का इंटरेस्ट इससे खतरे में पड़ते हैं तो यह हमारी नाकामी होगी.

शरद पवार के सामने ही राष्ट्रीय अधिवेशन बीच में छोड़कर चले गए भतीजे, पार्टी में दरार की अटकलें

जब अजीत पवार सभा स्थल में दोबारा दाखिल हुए, तो पार्टी सुप्रीमो शरद पवार ने अपना समापन भाषण देना शुरू कर दिया था. लिहाजा, अजीत पवार को बोलने का कोई मौका नहीं मिल सका।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री और एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के भतीजे अजीत पवार रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन की बैठक को बीच में ही छोड़कर चले गए. पार्टी में शीर्ष नेताओं में से अजीत पवार ने यह कदम तब उठाया, जब शरद पवार वहीं मंच पर मौजूद थे. ऐसा कर उन्होंने राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करने का मौका भी गंवा दिया. सम्मेलन में जैसे ही पार्टी नेता जयंत पाटिल को उनके सामने बोलने का मौका दिया गया, अजीत पवार कुछ ही क्षण बाद मंच से उठकर चले गए. उनके इस कदम से पार्टी में दरार की अफवाहें और अटकलें लगाई जा रही है।

सम्पादकीय

अमन की राह

लद्दाख क्षेत्र में चीनी अपनी पैठ इसलिए बनाना चाहता है कि वहां से वह भारत पर भारी दबाव बना सकता है। इसी मकसद से उसने पाकिस्तान को अपने पक्ष में कर रखा है। मगर इस बार करीब दो साल तक चले तनाव के बाद शायद उसे अहसास हो गया होगा कि भारतीय सेना को बहुत आसानी से काबू में नहीं किया जा सकता।

आखिरकार भारत और चीन के उच्च सेनाधिकारियों की बातचीत में तनातनी का माहौल समाप्त करने पर सहमति बन गई। अब विवादित गोगरा हाटस्प्रिंग क्षेत्र से दोनों देशों ने अपनी सेनाएं लौटानी शुरू कर दी हैं। वहां बने अस्थायी निर्माण ध्वस्त कर पूर्वस्थिति बहाल की जाएगी। यह निस्संदेह भारत की बड़ी कूटनीतिक और सैन्य सफलता है।

पिछले करीब दो साल से लद्दाख क्षेत्र में दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ था। दो साल पहले गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिक गुत्थमगुत्था हो गए थे, जिसमें भारत के बीस और चीन के चालीस से पैंतालीस जवान शहीद हो गए थे। उसके बाद से लगातार तनाव बढ़ता गया।

धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए चीनी सेना ने भारत के कई गश्ती बिंदुओं पर कब्जा कर लिया था। उच्च स्तरीय वार्ताएं होती रहीं, मगर चीन गोगरा हाटस्प्रिंग से हटने को तैयार नहीं था। उसने उस इलाके में करीब पचास हजार सैनिक तैनात कर रखे थे। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों की इस तनातनी पर दुनिया की नजर बनी हुई थी। कुछ अध्ययनों में यह भी जाहिर हुआ था कि एकाध जगहों पर चीन ने स्थायी बसेरे बना लिए थे।

इसे लेकर भारत सरकार को लगातार विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना सहनी पड़ रही थी। हालांकि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा का विवाद बहुत पुराना है। अभी तक अंतिम रूप से निशानदेही नहीं हो पाई है कि भारत का कितने भूभाग पर अधिकार रहेगा और चीन की सीमा कहां तक होगी। नियंत्रण रेखा पर ऐसे करीब साठ बिंदु हैं, जहां दोनों देशों की सेनाओं को गश्ती के अधिकार दिए गए हैं।

मगर अक्सर चीनी सैनिक अभ्यास के दौरान उन बिंदुओं को पार कर भारतीय क्षेत्र में पहुंच आते रहे हैं। हालांकि भारतीय सेना की तरफ से चेतावनी मिलने के बाद वे वापस लौट जाते रहे हैं। गलवान घाटी की घटना के बाद स्थिति कुछ अधिक तनावपूर्ण बन गई थी। अच्छी बात है कि अब वह तनाव दूर हो गया है और उस इलाके में शांति और स्थिरता आएगी।

हालांकि चीन के किसी भी कदम को लेकर बहुत दावे के साथ कुछ कहना मुश्किल होता है। वह कब अपने वादों से पलट जाए, किसी को अंदाजा नहीं होता। दरअसल, चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों को कभी छोड़ने को तैयार नहीं दिखता। भारत पर दबाव बनाने के लिए हर संभव प्रयास करता रहता है।

लद्दाख क्षेत्र में चीनी अपनी पैठ इसलिए बनाना चाहता है कि वहां से वह भारत पर भारी दबाव बना सकता है। इसी मकसद से उसने पाकिस्तान को अपने पक्ष में कर रखा है। मगर इस बार करीब दो साल तक चले तनाव के बाद शायद उसे अहसास हो गया होगा कि भारतीय सेना को बहुत आसानी से काबू में नहीं किया जा सकता।

पिछले कुछ सालों में भारत ने उसे टक्कर देने वाले आयुध और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण जुटा लिए हैं। अभी विक्रांत के जलावतरण से भी भारतीय सेना की ताकत बढ़ी है। फिर वह भारत पर दबाव बना कर जिन व्यापारिक क्षेत्रों में अपनी पैठ बढ़ाना चाहता है, उसमें भी उसे बहुत कामयाबी मिलती नजर नहीं आती।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका और रूस के साथ भारत के मजबूत होते रिश्ते, क्वाड आदि संगठनों में उसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका आदि चीन को बड़ी चुनौती हैं। वैसे भी आज देशों की तरक्की सैन्य तनातनी से नहीं, व्यापारिक गतिविधियों से होती है, चीन इस बात को अच्छी तरह समझता है। उम्मीद जगी है कि भारत और चीन के रिश्ते फिर से मधुर होंगे।

संपादक
गोपाल गावंडे

हताशा में बढ़ती आत्मघाती प्रवृत्ति

हमारा जीवन अनमोल है। तनाव, निराशा या हताशा का समाधान आत्महत्या नहीं है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि अवसाद से ग्रस्त लोगों की मानसिक चिकित्सा के जरिए उन्हें स्वस्थ बनाया जा सकता है। इसके अलावा परिवार और समाज का भावनात्मक संबल भी अवसाद में जाने से बचाने में मददगार हो सकता है। इस प्रकार देश में लगातार आत्महत्याओं के बढ़ते ग्राफ को तेजी से नीचे लाने में काफी मदद मिल सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में एक साल में करीब 7.3 लाख लोग आत्महत्या कर लेते हैं। इसके अलावा करीब बीस लाख लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं। यह स्थिति परेशान करने वाली है। इससे पता चलता है कि आज के दौर में लोग विभिन्न कारणों से किस कदर मानसिक तनाव में जी रहे हैं।

डब्लूएचओ का मानना है कि आत्मघाती प्रवृत्ति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। कोई व्यक्ति जब बहुत बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है, तो वह गहरे अवसाद में चला जाता है। यही अवसाद कई बार आत्महत्या का कारण बनता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में छिहत्तर फीसद आत्महत्याएं निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं।

लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से हर साल दस सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2003 में 'इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ सुसाइड प्रिवेंशन' (आइएएसपी) द्वारा की गई थी, जिसे अब विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा मानसिक स्वास्थ्य फेडरेशन द्वारा सह-प्रायोजित किया जाता है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के लिए डब्लूएचओ प्रतिवर्ष एक 'थीम' निर्धारित करता है। 2021-2023 के लिए त्रैवार्षिक विषय 'क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन' (कार्रवाई के माध्यम से आशा बनाना) निर्धारित है। डब्लूएचओ का मानना है कि कार्रवाई के जरिए आशा पैदा करके हम आत्मघाती विचारों से ग्रस्त लोगों को संकेत दे सकते हैं कि हम उनकी परवाह करते और उनका समर्थन करना चाहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक दुनिया भर में होने वाली आत्महत्याओं को एक तिहाई तक कम किया जाए। मगर इसे अगर भारत के संदर्भ में देखें तो केवल एक साल के भीतर ही आत्महत्या दर करीब दस फीसद बढ़ गई है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करना फिलहाल एक सपने जैसा लगता है।राष्ट्रीय आत्महत्या के आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में सभी आत्महत्याओं में भारत का हिस्सा करीब पच्चीस फीसद है। 18-39 आयु वर्ग की युवतियों में मृत्यु का प्रमुख कारण आत्महत्या है। पिछले दिनों राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी रिपोर्ट में 2021 में भारत में आत्महत्या की दर में 7.14 फीसद की वृद्धि देखी गई है।भारत में पिछले पांच-छह वर्षों में आत्महत्या की दर बढ़ने के कारणों को लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि लोग ज्यादा से ज्यादा आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं। उनके प्रत्यक्ष मित्र कम और सोशल मीडिया पर मित्र अधिक हैं। ऐसे लोग अपने परिवार के सदस्यों से कट रहे हैं और अपने फोन या सोशल मीडिया घेरे तक ज्यादा सीमित हो गए हैं।

एनसीआरबी द्वारा जारी पिछले पांच वर्षों के आत्महत्या के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्पष्ट है कि आत्महत्या की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। एनसीआरबी के मुताबिक देश में 2017 में आत्महत्या के एक लाख 29 हजार 887 मामले दर्ज हुए थे, जिसकी दर प्रति लाख आबादी पर 9.9 थी। 2018 में यह दर बढ़ कर 10.2 पर पहुंच गई।2019 में कुल एक लाख 39 हजार 123 लोगों ने और 2020 में एक लाख 53 हजार 52 लोगों ने आत्महत्या की। 2021 में एनसीआरबी के मुताबिक कुल एक लाख 64 हजार 33 लोगों ने आत्महत्या कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।2017 से 2021 तक इन मामलों में 26 फीसद से भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। 2021 में आत्महत्या करने वाले लोगों में एक बड़ा वर्ग उन लोगों का था, जिनका स्वयं का रोजगार था। इसी प्रकार पेशेवर या वेतनभोगी श्रेणी के लोगों की संख्या 15 हजार 870, बेरोजगारों की संख्या 13 हजार 714 और छात्रों की संख्या 13 हजार 89 रही। वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वालों में 23 हजार 179 गृहणियां भी शामिल थीं।

देश में 25.6 फीसद दिहाड़ी मजदूरों, 14.1 फीसद गृहिणियों, 12.3 फीसद स्वनियोजित लोगों, 9.7 फीसद पेशेवर या वेतनभोगियों, 8.4 फीसद बेरोजगारों, 8 फीसद विद्यार्थियों, 6.6 फीसद कृषि कार्य से जुड़े लोगों, 0.9 फीसद सेवानिवृत्त लोगों और 14.4 अन्य ने आत्महत्या की।

हालांकि कई विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया भर में दर्ज होने वाले आत्महत्या के मामलों के मुकाबले आमतौर पर वास्तविक संख्या चार से बीस गुना ज्यादा होती है। उनके मुताबिक अगर भारत में भी आत्महत्या के मामलों की दर्ज संख्या देखें तो वह वास्तविक संख्या से बहुत कम है।

इस संबंध में उनका मानना है कि समाज में आत्महत्या पर खुल कर बात नहीं होती और इसे आज भी एक कलंक के तौर पर देखा जाता है। अधिकांश परिवार इसे छिपाने का प्रयास करते हैं। ग्रामीण भारत में शव परीक्षण की जरूरत ही नहीं समझी जाती और अमीर लोग प्राय: स्थानीय पुलिस के जरिए आत्महत्या के मामलों को आकस्मिक मृत्यु के रूप में दिखाने का प्रयास करते हैं।एनसीआरबी ने अपनी रिपोर्ट में भारत में आत्महत्या के कारणों के लिए पेशेवर या करिअर संबंधी समस्याओं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याओं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द आदि को प्रमुख कारण माना है।

विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद जैसे शारीरिक और विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य को अक्षम करने वाले कारक इस सूची में सबसे आम हैं। इसके अलावा खराब वित्तीय स्थिति से उपजी चिड़चिड़ाहट, आक्रामकता, शोषण और दुर्व्यवहार के अनुभव तक परस्पर संबंधित कारक हैं, जो आत्महत्या के लिए उकासाने वाली दर्द और निराशा की भावनाओं को बढ़ावा दे सकते हैं।

बदलती जीवनशैली, खुद के लिए समय की कमी, बीमारियां, पारिवारिक संबंधों में दूरियां, घर का नकारात्मक माहौल, प्रेम में विफलता, अकेलापन, शिक्षा तथा कैरियर में गलाकाट प्रतिस्पर्धा आदि ऐसे कारण हैं, जिनसे लोगों में अवसाद पनप रहा है और अनेक मामलों में इस वजह से भी लोग आत्महत्या करते हैं।आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में हम जिस प्रकार का बनावटी और दोहरे मापदंड वाला जीवन जी रहे हैं, उसमें तनाव विद्यमान है, जिससे समाज का लगभग प्रत्येक वर्ग प्रभावित है। जहां दहेज जैसी कुप्रथा और पारिवारिक समस्याओं के कारण महिलाओं की आत्महत्या के मामले सामने आते हैं, वहीं युवाओं द्वारा पढ़ाई का दबाव, करिअर संबंधी समस्याएं और खराब होते रिश्ते आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाने की प्रमुख वजह बन रहे हैं।महामारी के दौर में नौकरियां छिन जाने, अपने करीबियों को खोने और अकेलेपन ने लोगों को चिंतित, उदास, एकाकी और अति संवेदनशील बना दिया है, जिसके कारण भी कुछ लोग जीवन में आई मुसीबतों का मुकाबला करने के बजाय आत्महत्या की तरफ कदम उठा रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक आत्महत्या को रोकने का सबसे अच्छा तरीका चेतावनी संकेतों को पहचानना और इस तरह के संकट का जवाब देना है।देश में हर साल लाखों आत्महत्याएं समाज में हताशा और निराशा व्याप्त होने का जीता-जागता प्रमाण है। हालांकि आत्महत्या की समस्या केवल आर्थिक या राजनीतिक समस्या नहीं है, बल्कि इसके पीछे सामाजिक और मानसिक कारण भी मौजूद होते हैं। अगर आर्थिक और राजनीतिक कारणों से समाज में हताशा या निराशा व्याप्त होती है, तो उनके निवारण की जिम्मेदारी भी सरकारों की है। हमारा जीवन अनमोल है। तनाव, निराशा या हताशा का समाधान आत्महत्या नहीं है।मनोचिकित्सकों का मानना है कि अवसाद से ग्रस्त लोगों की मानसिक चिकित्सा के जरिए उन्हें स्वस्थ बनाया जा सकता है। इसके अलावा परिवार और समाज का भावनात्मक संबल भी अवसाद में जाने से बचाने में मददगार हो सकता है।

नाबालिग पर हमला, बदमाशों ने मारे चाकू

इंदौर। एक नाबालिग पर 2 बदमाशों ने ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। हमले से पहले उन्होंने नाबालिग को कहा कि वह आजकल बहुत ज्यादा तेज चल रहा है। जानकारी के अनुसार घायल का नाम शुभम है। वह अंबिका स्कूल के सामने परिवहन नगर मैं खड़ा था। तभी वहां प्रिंस और उसका साथी आए। आरोपी प्रिंस ने शुभम को यह कहकर कि आजकल बहुत ज्यादा तेज चल रहा है। वह उसे छोड़ेगा नहीं। शुभम ने इस आरोप से इनकार किया तो प्रिंस और उसके साथी ने उसे चाकू से गोद डाला। मामले में द्वारकापुरी पुलिस ने गंभीर चाकूबाजी की धाराओं में केस दर्ज किया है।

दो पक्षों में विवाद

इंदौर। एमजी रोड थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों पर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार कुलदीप यादव की रिपोर्ट पर रामलाल यादव, अभय यादव, अंचित यादव और उसके रिश्तेदारों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। मोबाइल पर बात करने पर कहासुनी हुई और उसके साथ मारपीट की गई। दूसरे पक्ष में अभय यादव की रिपोर्ट पर कुलदीप यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा नावेल्टी मार्केट के प ास भी कुणाल सबरवाल के साथ गौरव चौधरी, बाबू उर्फ मयूर और नूतन ने मारपीट की।

मेडिकल फिटनेस के नाम पर ठगी, आरोपी पकड़ाया

एक लाख रुपए की कर रहा था मांग, आर्मी इंटेलिजेंस विंग और पुलिस ने योजना बनाकर किया गिरफ्तार

इंदौर। आर्मी इंटेलिजेंस विंग और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए सेना में भर्ती होने वाले युवकों को उनका मेडिकल फिटनेस पास कराने के नाम पर ठगी और धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को धरदबोचा। आरोपी मेडिकल में पास कराने के नाम पर एक लाख रुपए की मांग कर रहा था। पकड़ाए आरोपी से कड़ी पूछताछ की जा रही है।

बडग़ोदा पुलिस के अनुसार विगत दिनों धार में सेना की भर्ती रैली का आयोजन किया गया था, जिसमें सेना में भर्ती होने वाले कुछ युवकों को शारीरिक क्षमता में अयोग्य होने के कारण उन्हें पुन: मेडिकल जांच के मिलिट्री हॉस्पिटल में चिकित्सा की जांच हेतु भेजा गया था। इसी दौरान देवास के बंटी नामक ठगोरे सेना में भर्ती होने वाले कुछ युवकों से संपर्क स्थापित किया जो मेडिकल जांच में अनफिट पाए गए थे।

आरोपी बंटी सेना में भर्ती होने वाले युवकों से को झांसे में लेकर यहां आश्वासन दिया कि वह उन्हें मेडिकल फिटनेस में पास करा देगा क्योंकि वह स्वयं आर्मी में वरिष्ठ अधिकारियों को जानता है और उसके अच्छी घुसपैठ व जान पहचान है इसके लिए वह सैन्य भर्ती अभ्यार्थियों से मेडिकल में पास कराने व भर्ती के नाम पर 100000 रुपयों की मांग कर रहा था।

इसकी सूचना आर्मी इंटेलिजेंस विंग को लगी आर्मी इंटेलिजेंस विंग के इंचार्ज तथा उनकी टीम ने डीएसपी दिलीप चौधरी व बडगोदा पुलिस पुलिस को मामले से अवगत कराया और आर्मी इंटेलिजेंस विंग और बडग़ोदा पुलिस ने जाल बिछाकर युवक को रंगे हाथ स्टिंग ऑपरेशन कर धर दबोचा आर्मी इंटेलिजेंस विंग और पुलिस अधिकारियों द्वारा पकड़े गए आरोपी बंटी से पूछताछ की जा रही है उसके द्वारा कितने युवकों के साथ ठगी की घटना को अंजाम दिया गया है।

शराब के लिए कर दिया घायल

इंदौर। शराब पीने के लिए रुपए नहीं देने पर बदमाश ने युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया। घटना किशनगंज थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के अनुसार दीपक पांडे की शिकायत पर पुलिस ने रोहित उर्फ़ चिंगारी निवासी ग्राम गायकबाड के खिलाफ वसूली,मारपीट,धमकी सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया है। फरियादी के मुताबिक कल वह घर जा रहा था। जैसे ही कल्पमार्ट के सामने पंहुचा तभी आरोपी ने रास्ता रोककर कॉलोनी में. रहने की बात कर 1 हजार रूपये शराब पीने के लिए मागने लगा। मना किया तो उसने चाकू से हमला कर भाग निकला। इसी प्रकार शिवा बड़ोदे की शिकायत पर पुलिस ने करण निवासी पालदा के खिलाफ वसूली व अन्य धारा में केस दर्ज किया है।

गायब किशोरी को 24 घंटे में ढूंढ निकाला

इंदौर। पुलिस ने 14 साल की किशोरी के गायब होने के 24 घंटे में उसे ढूंढ निकाला। वह बिना टिकिट ट्रेन में जाकर बैठ गई थी। उसे ये भी पता नहीं था कि वह कहां जाने वाली है। किशोरी के गायब होने की सूचना मिलते ही पुलिस एक्टिव हो गई थी।

ट्रेन में जाकर बैठ गई, टिकट भी नहीं लिया

हीरानगर में रहने वाले एक व्यक्ति ने हीरानगर थाने पर पहुंचकर बताया कि घर में मामूली कहासुनी होने के बाद उनकी 14 साल की बेटी घर से कहीं चली गई है। हीरानगर पुलिस ने धारा 363 का केस दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी। हीरानगर पुलिस की अलग- अलग टीमों को गायब किशोरी की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर भेजा गया। किशोरी के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए।

जांच में पता चला कि किशोरी दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेन में बैठी है । पुलिस की टीम का गठन किया जाकर उज्जैन रवाना किया गया । हीरानगर पुलिस टीम के उज्जैन पहुंचने पर भी कोई सफलता हासिल नहीं हुयी तो टीम द्वारा कोटा रेल्वे स्टेशन की जीआरपी और आरपीएफ पुलिस को सूचित किया गया। अथक प्रयास करने के उपरांत भी किशोरी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली।

ट्रेन की तलाशी में मिली

इसके बाद ट्रेन के टीटी आचार्य से मदद ली गई। उन्होंने रिजर्वेशन चार्ट देखने के बाद बताया कि इस तरह की कोई किशोरी ट्रेन में नहीं है। टिकिट काउंटर से भी कोई सुराग नहीं मिला। लगातार प्रयास करने के उपरांत कोटा रेल्वे स्टेशन की जीआरपी एवं आरपीएफ पुलिस ने ट्रेन की सभी बोगियो में सघनता से चेकिंग की तो वह किशोरी जनरल वार्ड में बिना टिकिट के बैठी मिली। उसे जीआरपी टीम द्वारा विधिवत अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित रखा गया एवं हीरानगर पुलिस को सूचना दी गयी। हीरानगर पुलिस टीम वहां से उसे इंदौर लेकर आई और परिजनों को सौंपा। गायब किशोरी के मिलने पर उसके परिजनों ने पुलिस कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए आभार माना है।

जिलाबदर बदमाश पकड़ाया, जेल भेजा

लोगों को चाकू की नोंक पर धमका रहा था

इंदौर। पुलिस ने जिलाबदर को चाकू की नोक पर धमकाते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। उस पर कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

शुक्रवार की रात अनंत चतुर्दशी इंतजाम के दौरान पंढरीनाथ पुलिस को राह चलते युवक ने सूचना दी कि नंदलालपुरा चौराहे के पास एक युवक जो सफेद शर्ट व भूरे रंग की पेंट पहने हुए है चाकू लेकर खड़ा हुआ है। वह आने जाने वाले लोगों को चाकू की नोक पर डरा-धमका रहा है। पुलिस टीम ने स्पाट पर पहुंचकर घेराबंदी कर चाकूबाज को दबौचा। उसका नाम पूछा तो उसने अपना नाम गौरव भाट पिता बाबू सिंह भाट,मोती तबेला बताया। पुलिस ने उसे चाकू के साथ गिर तार कर लिया। जानकारी निकालने पर पता चला कि ये हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ 28 केस पहले से ही दर्ज हैं। इस बदमाश की आपराधिक प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र के आदेशानुसार जिला इंदौर एवं समीपवर्ती जिलों से 24 मार्च से एक वर्ष के लिए जिलाबदर किया गया था। लेकिन बदमाश जिला बदर होने के बाद भी चाकू से लोगों को डराते धमकाते पाया गया। पंढरीनाथ पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई कर उसे जेल पहुंचा दिया है।

दो युवतियों से छेड़छाड़

इंदौर। भले ही पुलिस मनचलों पर सख्त कार्रवाई करें, लेकिन इसके बाद भी उनमें पुलिस का खौफ नहीं है। कल फिर दो स्थानो पर युवतियों से छेड़छाड़ के मामले सामने आए, जिनमें पुलिस ने मनचलों पर केस दर्ज किए।

हीरानगर पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर काशीपूरी निवासी राहुल के खिलाफ छेड़छाड़ धमकी व एस सी एस टी एक्ट की धारा में केस दर्ज किया है। पुलिस को युवती ने बताया कि आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की और विरोध करने पर धमकाया।

इसी प्रकार किशनगंज पुलिस ने 28 वर्षीय युवती की शिकायत पर दिंगत चाणक्य निवासी कमला नगर के खिलाफ छेड़छाड़ व अन्य धारा में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक कल युवती उमरिया कॉलोनी के सामने से गुर्जर रही थी। तभी आरोपी उसका पीछा करने लगा और आगे जाकर उसे रोककर बात करने के लिए दवाव बनाने लगा उसने विरोध किया तो गालिया देकर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मामला बुजुर्ग की खुदकुशी का ...

अश्लील वीडियो बना कर धमकाने वाली के खिलाफ केस दर्ज

इंदौर। निजी कालेज के स्टोर मैनेजर **सेक्सटार्शन गैंग** के जाल में फंस गए। 63 वर्षीय मैनेजर ने ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद अश्लील वीडियो बनाकर धमकाने वाली युवती के खिलाफ केस दर्ज किया है। मृतक के मोबाइल में कुसुम जयपुर के नाम से नंबर सेव था। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर केस दर्ज कर लिया है।

राजेंद्र नगर पुलिस के अनुसार मृतक रिटायर फ्लाइंग अफसर फिलहाल आईपीएस कॉलेज में बड़े पद पर काम कर रहे थे। वह कॉलेज के क्वार्टर में ही रहते थे। उन्होने जब घर वालों के फोन नहीं उठाए तो परिजन उन्हें देखने वहां पहुंचे तो वह फंदे पर लटके हुए मिले। पुलिस ने उनके मोबाइल की जांच की तो चौंकाने वाली बात सामने आई। दरअसल एक मोबाइल नंबर पर लगातार उनकी चैटिंग चल रही थी। सामने वाली उन्हें अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दे रही थी। इसी से वह आहत थे। बदनामी के डर से उन्होंने खुदकुशी कर ली।पुलिस के मुताबिक, बुजुर्ग फ्लाइंग क्लब से चार साल पूर्व रिटायर हुए और आइपीएस कालेज राजेंद्र नगर में नौकरी करने लगे। वे कालेज परिसर में बने स्टाफ क्वार्टर (ए-ब्लाक) में ही रहते थे। उनकी पत्नी और बेटा निपानिया में रहते हैं। शुक्रवार शाम राजेंद्र नगर निवासी बेटी ने काल लगाया तो पिता ने फोन रिसीव नहीं किया। बेटी को शक हुआ, वह खुद उन्हें देखने कालेज पहुंच गई। उसने भाई को भी बुलाया। स्वजन व कालेज स्टाफ को बुजुर्ग मृत अवस्था में मिले। उनका सुसाइड नोट नहीं मिला। शनिवार को उनका फोन जांचा तो कुसुम जयपुर से चैटिंग मिल गई। कुसुम कोई युवती नहीं बल्कि ब्लैकमेलर था, जो बुजुर्ग का न्यूड वीडियो बना कर रुपयों की मांग कर रहा था। ब्लैकमेलर ने पहले उत्तेजक बातें कर उनका वीडियो बनाया और बाद में रुपये मांगे। बुजुर्ग ने उससे कहा कि मेरा भतीजा साइबर एक्सपर्ट है। वह शिकायत कर उसे गिरफ्तार करवा देंगे। इसके थोड़ी देर बाद ब्लैकमेलर ने कहा कि अब उसने वीडियो अपलोड कर दिया है। बुजुर्ग ने उसका नंबर ब्लाक किया और आधा घंटे बाद फांसी लगाकर जान ही दे दी। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है। संभवत: नाम और नंबर फर्जी है।

वजन कम करके शरीर को ताकतवर बनाती हैं ये 7 चीजें, कूट-कूट कर भरा है प्रोटीन और कैल्शियम

वजन कम करना एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए खाने के ऐसे सही विकल्प चुनना जरूरी है, जो आपका पेट भी भरें और वजन भी न बढ़ने दें। खाने के कुछ सेहतमंद विकल्प मोटापा स्वास्थ्य की विभिन्न समस्याओं जैसे डायबिटीज और हाइपरटेंशन के सबसे आम कारणों में से एक है। वजन कम करना एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए कई लोग जी तोड़ मेहनत करते है फिर भी वह अपना वजन कम नहीं कर पाते हैं। वेट लॉस करने के लिए कुछ खास चीजें जिसे लोग नजरअंदाज कर देते है और यही वजन बढ़ने का कारण बनती है।वजन कम करने के उपाय? यह जानना भी जरूरी है कि खाना कम कर देने से मोटापा कम करने में तो ज्यादा मदद नहीं मिलती है, पर आगे चलकर स्वास्थ्य की अन्य समस्याएं जरूर उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए खाने के ऐसे सही विकल्प चुनना जरूरी है, जो आपका पेट भी भरें और वजन भी न बढ़ने दें।

वजन कम करने के लिए क्या खाएं? ऐसा करने से शरीर की जरूरत के अनुरूप पोषण भी पूरा मिलता है और पेट भी भरा रहता है।

मखाना (फॉक्स नट्स)

मखाना को फॉक्स नट्स के नाम से भी जाना जाता है। यह एक ऐसा स्नैक्स है जिसमें बहुत कम मात्रा में कैलोरी होती है। इसलिए सुबह के नाश्ते में मखाने का सेवन वजन कम करने के लिए फायदेमंद है। आप मखाने को रोस्ट करके भी खा सकते हैं। मखाने में कोलेस्ट्रॉल, वसा और सोडियम कम मात्रा में होते हैं। मखाना कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और ग्लुटेन-फ्री फ्लेवोनॉयड भी होता है। मखाना वजन को कम करने के साथ पाचन व हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है।

अंकुरित दाल (स्प्राउट्स)

अंकुरित दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है और इसमें दूसरे स्नैक्स की तुलना कैलोरी कम मात्रा में होती है। स्पाउट्स मूंग दाल को पानी में भिगो कर बनाया जाता है। स्प्राउट्स खाने से शरीर को ताकत मिलती है और शरीर में फैट नहीं बढ़ता। इसके अलावा यह वजन को कंट्रोल रखने में भी फायदेमंद है। स्पाउट्स में मौजूद फाइबर पाचन में मदद करता है और इससे पाचन शक्ति बढ़ती है। यह हाई ब्लड प्रेशर को कम करने और हृदय से जुड़ी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है।

रेनबो समर फ्रूट सलाद

गर्मियों में हम सभी को पानी से भरपूर फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। खास कर कि जिनमें विटामिन और फाइबर हो और वो पेट के लिए भी हेल्दी हो। ऐसे में आप गर्मियों में स्नैक्स के रूप में फलों से फ्रूट सलाद तैयार कर सकते हैं। इसमें आप संतरा, केला, तरबूज, संतरा, जामुन और पपीते जैसे फलों को शामिल कर सकते हैं। इन फलों की खास बात ये है कि पहले तो ये खाने में टेस्टी होते हैं, दूसरा ये शरीर के लिए अलग-अलग प्रकार के विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं और पेट से जुड़ी समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं।

प्रोटीन स्मूदी

वजन कम करने में प्रोटीन की भूमिका अहम है। जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें पर्याप्त प्रोटीन लेना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें स्वस्थ मेटाबोलिज़्म बनाए रखने और भूख में कमी लाने में मदद मिलती है। अपनी मसल्स कम किए बिना भी वजन में कमी लाना संभव है। प्रोटीन भूख को नियंत्रित करने और मेटाबोलिज़्म बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। प्रोटीन स्मूदी शरीर को प्रोटीन की दैनिक आपूर्ति करने का एक आसान उपाय है।

चिया पुडिंग

चिया के बीज में न केवल प्रोटीन और फाईबर भरपूर मात्रा में मिलता है, बल्कि यह वजन कम करने के लिए एक सेहतमंद स्नैक भी है। ये बीज पेट में जाकर फूल जाते हैं और पेट को भरा हुआ रखते हैं, क्योंकि ये पानी में अपने वजन का 10 गुना तक धारण कर सकते हैं। बिना चीनी के बादाम के दूध, टूटी हुई अखरोट, और सूखी ब्लूबेरी के साथ चिया बीजों को मिलाकर स्वादिष्ट चिया पुडिंग बनाई जा सकती है।

ओटमील और दालचीनी

ओटमील बीटा-ग्लूकेंस का बेहतरीन स्रोत हैं, यह एक घुलनशील फाईबर है, जो स्वास्थ्य में वृद्धि करता है। ओटमील दालचीनी के आहार में फाईबर और प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में होते हैं। 1/4 कप रोल्ड या स्टील-कट ओट्स को 1/2 कप 2 प्रतिशत दूध के साथ मिलाकर लेने से वजन कम करने में मदद मिलती है। दालचीनी खून में शुगर की मात्रा को नियंत्रित रखने में मदद करती है, इसलिए आहार में दालचीनी को शामिल करके आपके स्वास्थ्य को बहुत फायदा हो सकता है।

ड्राई फ्रूट और नट्स

ड्राई फ्रूट्स स्नैकिंग का बेहतरीन विकल्प हैं क्योंकि इनमें फाईबर, प्रोटीन और सेहतमंद फैट्स उचित अनुपात में पाए जाते हैं। इनमें कैलोरी और फैट काफी होने के बावजूद वजन कम करने में भी मदद मिल सकती है। आप काजू, अखरोट, बादाम, ब्राजील नट्स, हेज़ेलनट्स, पाईन नट्स, मैकेडेमिया नट्स, और पिस्ता आदि का सेवन कर सकते हैं।

घातक हैं ये वायरस, मस्से से लेकर प्राइवेट पार्ट में बनाता है कैंसर

एचपीवी संक्रमण का कारण बनने वाला वायरस त्वचा से त्वचा के संपर्क के माध्यम से फैलता है। अधिकांश लोगों को सीधे यौन संपर्क के माध्यम से जननांग एचपीवी संक्रमण होता है। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ.मनीषा रंजन ने इससे संबंधित कुछ जानकारियां हमारे साथ शेयर की हैं जो आपको एचपीवी के गंभीर परिणामों से बचा सकता है।

ह्यूमन पेपिलोमावायरस एक वायरल इंफेक्शन होता है, जो ज्यादातर यौन संबंध बनाने को दौरान फैलता है। यह वायरस त्वचा से त्वचा के संपर्क या संक्रमित व्यक्ति के व्यक्तिगत सामान के माध्यम से भी हो सकता है। इस वायरस वार्ट्स से लेकर कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। हालांकि, कम जोखिम वाले एचपीवी संक्रमण अक्सर अपने आप ही ठीक हो जाते हैं। वहीं, उच्च जोखिम वाले एचपीवी संक्रमण के परिणामस्वरूप गर्भाशय ग्रीवा(सर्वाइकल), योनि(वैजाइनल), योनिमुख (वल्?वर), ऑरोफैरिंक?स और पेनाइल कैंसर हो सकते हैं।

कैसे करें एचपीवी की पहचान?

आमतौर पर महिलाओं को इस बात की जानकारी नहीं होती है कि उन्हें एचपीवी हो सकता है। एचपीवी इंफेक्शन के होने पर कई बार लक्षण नजर नहीं भी आते हैं। एचपीवी के वह प्रकार जो वॉर्ट्स का कारण बनते हैं, जेनिटल एरिया समेत हाथ पैर में भी नजर आ सकते हैं। ये वॉर्टस उभरे हुए, सपाट, गुलाबी, या त्वचा के रंग के हो सकते हैं। इसके अलावा वे फूलगोभी के आकार के भी होते हैं। ये एक या कई मस्से के समूह में भी नजर आ सकते हैं।

एचपीवी के लक्षण कितने दिनों में नजर आते हैं

जननांग पर होने वाले वार्ट्स एचपीवी वायरस से संक्रमित व्यक्ति से यौन संबंध बनाने के हफ्ते, महीने या सालभर बाद भी नजर आ सकते हैं। हो सकता है उन्हें इस बात का पता ना हो कि वे संक्रमित हैं।

एचपीवी से सबसे ज्यादा होता है सर्वाइकल कैंसर

एचपीवी के कारण गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से 95त्न से अधिक आबादी ग्रसित है। हालांकि, 90त्न से अधिक संक्रमित आबादी अंतत: संक्रमण को दूर कर देती है।गर्भाशय ग्रीवा कैंसर एचपीवी से संबंधित सबसे आम बीमारी है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लगभग सभी मामलों में एचपीवी संक्रमण को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

जांच और उपचार के विकल्प

एचपीवी से अधिकांश लोगों जीवन में कभी न कभी संक्रमित होते हैं। लेकिन, ज्यादातर मामलों में यह अपने आप ही दूर हो जाता है। पुरुषों के लिये कोई एचपीवी की जांच उपलब्ध नहीं है। लेकिन महिलाएं एचपीवी जांच करा सकती हैं। हालांकि, यह केवल 30 वर्ष से अधिक उम्र में करवाने की सलाह दी जाती है। लेकिन असामान्य कोशिका वृद्धि की जांच के लिये महिलाओं को रेग्यूलर चेकअप और सालाना पैप स्मीयर करवाना चाहिए, जिससे गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर का समय से पता लग सके।

BLACKBERRY HILL'S

मात्र 551/- रु. Sq.ft.

WE BUILD YOUR NEW NATURAL FARMHOUSE

FEATURES

- CCTV कैमरे एवं 24 घटें सिक्योरिटी के साथ पूर्ण रूप से सुरक्षित
- फाउंटेन, गजीबो, लैंड स्केपिंग गार्डन, जॉगिंग ट्रैक
- सोलर स्ट्रीट लाइट एवं गार्डन लाइट
- क्लब हाउस, स्वीमिंग पुल, मेडिटेशन रूम, गेम जोन
- आउटडोर किचन और कॉटेज सुविधा के साथ।
- प्राकृतिक वातावरण में पक्षियों की मधुर आवाज और नहर के किनारे विकसित एकमात्र स्थान आपका अपना Blackberry Hill's Farm and Resort

BANK LOAN AVAILABLE

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

मात्र 15 लाख से शुरु

HANUMANTIYA JUNGLE RESORT

हनुमंतिया जंगल रिसोर्ट में आपका अपना LUXURY रिसोर्ट

FEATURES

- नदी किनारे पूरा फ्रंट
- पीछे शानदार पर्वत
- 24/7 पानी ही पानी
- सुप्रसिद्ध झिरी माता का मंदिर
- पहाड़, पानी, पर्वत और नदिया सब एक ही जगह

BENEFITS

- रेल और बस सुविधा
- किशोर कुमार दा की नगरी
- प्रसिद्ध गुरुदेव धूनीवाले बाबा की नगरी
- इंदौर इच्छापुर हाइवे से कुछ ही मिनटों की दूरी
- सुरक्षित, किफायती, शहर से नजदीक, विकसित, सर्व सुविधा युक्त

BANK LOAN AVAILABLE

तुरंत रजिस्ट्री, तुरंत पजेशन

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

WWW.1BIGA.COM

SHREE GODAWARI DEVELOPER

हो जाइए तैयार, पूर्ण होगा अब
फार्म हाऊस
लेने का उत्तम विचार

FEATURES

- Covered RCC boundary wall with entrance gate.
- 24/7 Water supply.
- 24/7 Security.
- 24/7 Electricity supply.
- 100 Different types of fruit plants.
- Solar light.

BENEFITS

- नेशनल हाइवे से 400 मीटर
- Choral से 9km
- बड़वाह से 9km पहले
- इंदौर शहर से 1 घटें की दूरी पर

मात्र 101/- Sqft

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाइवे से 400 मी. की दूरी पर

More information call us
8889066688, 6268319125

ACHIRA GREENS
A Smart Township

BOOK NOW ONLY 1399/- Sqft

INDORE में अपने सपनों का प्लॉट पायें

इच्छापुर नेशनल हाईवे के समीप IIT COLLEGE के नजदीक

अचीरा ग्रीन्स ही क्यों ?

- नेशनल हाईवे से मात्र 500 मीटर
- रेरा द्वारा प्रमाणित सपूंर्ण विकसित और वैध
- हर 10 मिनट में बस सुविधा इंदौर के लिए और खडवा के लिए
- शुद्ध और प्राकृतिक वातावरण के बीच आपका प्लाट।
- मोहाटी फॉल है बिल्कुल नजदीक
- तिंछा फॉल है बिल्कुल नजदीक

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

रणबीर-आलिया की फिल्म ने पार किए 100 करोड़,तीसरे दिन रहा छप्पड़ फाड़ कलेक्शन

नई दिल्ली : रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचा रही है. फिल्म रिलीज होने के तीसरे दिन भी बॉक्स ऑफिस पर छाई रही और जबरदस्त कमाई करने में कामयाब रही. अनुमान के मुताबिक तीसरे दिन ब्रह्मास्त्र लगभग 46 करोड़ रुपये कमाने में सफल हो गई. इस तरीके से फिल्म ने महज तीन ही दिनों में 100 करोड़ के आंकड़े को आसानी से पार कर लिया. इससे पहले रणबीर कपूर की फिल्म संजू को ही सिर्फ इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी. ब्रह्मास्त्र ने संजू से भी बेहतर प्रदर्शन करके दिखाया है.

रिलीज के तीसरे दिन भी ब्रह्मास्त्र की बॉक्स ऑफिस पर धूम रही और फिल्म 100 करोड़ के आंकड़े को भी पार कर गई.

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म ब्रह्मास्त्र ने दूसरे दिन करीब 36 करोड़ रुपये की कमाई की थी. पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन इसकी कमाई में बॉक्स ऑफिस इंडिया के इंडियन बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के अनुसार 15त्न की बढ़ोतरी हुई थी. अयान मुखर्जी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से यह अनाउंस भी किया है कि दो दिनों में दुनियाभर में फिल्म 160 करोड़ की कमाई तक पहुंच गई है. फिल्म पर इतना प्यार बरसाने के लिए उन्होंने दर्शकों का धन्यवाद भी किया.

रणबीर कपूर की फिल्म ब्रह्मास्त्र में उनके और आलिया भट्ट के अलावा अमिताभ बच्चन और मौनी रॉय भी नजर आ रही हैं. साथ ही फिल्म में नागार्जुन की भी अहम भूमिका है. शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए हैं. फिल्म करण जोहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है और बीते 9 सितंबर को यह रिलीज हुई है. रिलीज के पहले ही दिन से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है.

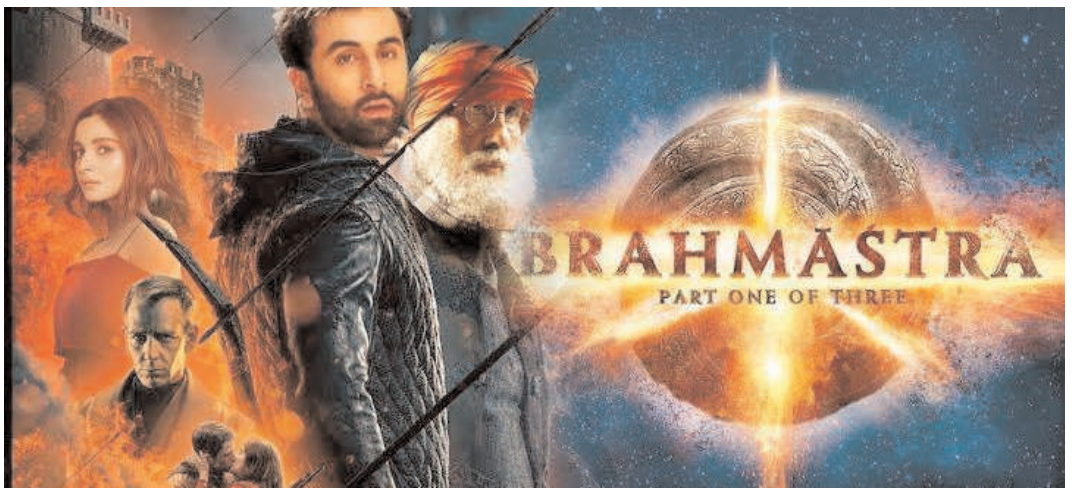

TMKO को मिले नए तारक मेहता

इंतजार खत्म हुआ! %तारक मेहता का उल्टा चश्मा% शो को आखिरकार नए तारक मेहता मिल गए हैं. शो में शैलेष लोढ़ा की जगह अब टीवी एक्टर सचिन श्रॉफ दिखाई देंगे. सचिन ने तारक मेहता शो के लिए शूटिंग भी शुरू कर दी है. शो में सचिन श्रॉफ की एंट्री को खुद शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने कंफर्म किया है.

टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो %तारक मेहता का उल्टा चश्मा% शो को आखिरकार शैलेश लोढ़ा का रिप्लेसमेंट मिल गया है. जी हां, पॉपुलर सिटकॉम शो से अब शैलेष लोढ़ा का पत्ता पूरी तरह साफ हो गया है. नए तारक मेहता के रोल के लिए शो के मेकर्स ने फेमस टीवी एक्टर सचिन श्रॉफ को फाइनल कर लिया है.

T20 World Cup Team Selection

उमरान, शार्दुल...सभी को चौंका कर ये 5 प्लेयर बना सकते हैं वर्ल्डकप टीम में जगह

एशिया कप के बाद अब हर किसी की नज़रें टी-20 वर्ल्डकप पर टिकी हैं. टीम इंडिया जल्द ही अपने स्क्वॉड का ऐलान कर सकती है, ऐसे में टॉप-15 खिलाड़ियों में किनका नाम आएगा हर कोई यही सोच रहा है. कुछ नाम ऐसे भी हैं, जो ऐन मौके पर टीम इंडिया में एंट्री पाकर हर किसी को हैरान कर सकते हैं.

एशिया कप-2022 में टीम इंडिया का बुरा हाल हुआ और सुपर-4 स्टेज से ही भारतीय टीम बाहर हो गई. भारत सुपर-4 स्टेज में एक ही मैच जीत पाया, लेकिन यह काफी नहीं था. अब हर किसी की नज़रें वर्ल्डकप पर टिकी हैं, जो अगले महीने से शुरू होना है. भारतीय टीम आने वाले दिनों में वर्ल्डकप के लिए अपनी टीम का ऐलान कर सकती है.

वर्ल्डकप के लिए 15 खिलाड़ियों के स्क्वॉड का ऐलान होना है, इनमें से कई खिलाड़ियों का खेलना पक्का माना जा रहा है. लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जो अपने चयन से हर किसी को हैरान कर सकते हैं. कुछ ऐसे खिलाड़ियों के नाम जानिए, जो टी-20 वर्ल्डकप में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं...

उमरान मलिक

आईपीएल में अपने खेल से हर किसी को हैरान करने वाले उमरान मलिक टीम इंडिया के लिए डेब्यू कर चुके हैं. आयरलैंड सीरीज़ में उन्हें खेलने का मौका मिला था, लेकिन जब सीनियर प्लेयर्स की वापसी हुई तब वह टीम में जगह नहीं बना पाए. ऑस्ट्रेलिया में जहां गेंद काफी रफ्तार से जाएगी और उछाल लेगा, वहां उमरान मलिक टीम इंडिया के लिए गेम चेंजर हो सकते हैं.

शार्दुल ठाकुर

लॉर्ड ठाकुर के नाम से मशहूर शार्दुल अभी टीम इंडिया की टी-20 टीम का हिस्सा नहीं हैं. लेकिन जिस तरह के हालात बने हैं, उनके शामिल किए जाने पर हैरानी नहीं होगी. क्योंकि शार्दुल एक तेज़ गेंदबाज़ हैं और साथ में वह कुछ बल्लेबाजी भी कर सकते हैं. ऐसे में ऑस्ट्रेलिया में वह चार ओवर निकालने में बेहतर साबित होंगे. शार्दुल ने इसी साल फरवरी में आखिरी टी-20 मैच खेला था.

दीपक चाहर

ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया को उसके फास्ट बॉलर्स से काफी उम्मीद होगी. अगर जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की वापसी होती है, तो टीम इंडिया को मज़बूती मिलेगी. ऐसे में अन्य बॉलर्स के तौर पर किसे मौका मिलता है ये भी देखना होगा. दीपक चाहर चोट से वापस आए हैं, लेकिन उन्हें एशिया कप में नहीं खिलाया गया था. हालांकि, स्विंग कराने की कला ऑस्ट्रेलिया में काम आ सकती है.

दीपक हुड्डा

आईपीएल में चमकने के बाद दीपक हुड्डा ने टीम इंडिया में जगह बनाई, यहां उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में शतक भी जड़ दिया. लेकिन सीनियर प्लेयर्स की वापसी होने के साथ ही उनका प्लेइंग-11 में बने रहना मुश्किल हुआ. हालांकि, टीम इंडिया अभी भी बिग हिटर के तौर पर दीपक हुड्डा को साथ ले जा सकती है, जो बीच में एक-दो ओवर भी डाल सकते हैं.

ईशान किशन

टीम इंडिया में वैसे तो ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक जैसे दो विकेटकीपर्स का चयन पक्का ही माना जा रहा है. लेकिन अधिकतर वक्त पर दिनेश कार्तिक फिनिशर के तौर पर शामिल किए जा रहे हैं, ऐसे में विकेटकीपर या सिर्फ बतौर बल्लेबाज के तौर पर ईशान किशन का चयन भी हर किसी को हैरान कर देगा. ईशान ओपनिंग भी कर सकते हैं, साथ ही मिडिल ऑर्डर में आकर तेज़ी से रन भी बटोर सकते हैं.

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

चोरी रोकने गठित दस्ते को बंद करने का प्रस्ताव

वाणिज्यिक कर कमिश्नर बंद करना चाहते हैं छापामार दस्ते, दो प्रमुख तर्क दिए, मंत्री नहीं माने

वाणिज्यिक कर कमिश्नर लोकेश जाटव विभाग में एंटी इवेजन ब्यूरो (एईबी) या कर चोरी रोकने के लिए गठित दस्ते को बंद करना चाहते हैं। इन दस्तों को लंबे समय से कार्रवाई के अधिकार नहीं दिए गए। पिछले दिनों कमिश्नर ने वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा और विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी की उपस्थिति में दिए प्रेजेंटेशन में यह प्रस्ताव रखा। कमिश्नर ने दो प्रमुख तर्क दिए। पहला- जीएसटी और ईवे बिल आने के बाद इन दस्तों का औचित्य नहीं रहा। दूसरा- इस विंग के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही हैं। हालांकि मंत्री के सहमत न होने से बात आगे नहीं बढ़ी। अलबत्ता मंत्री ने सवाल जरूर उठाए कि लंबे समय से छापामार दस्ते को अधिकार नहीं दिए जाने से राजस्व को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कैसे होगी।

जब पड़ोसी राज्यों में इस तरह के दस्ते काम कर रहे हैं तो केवल मप्र में इन्हें अनुपयोगी बताना किस हद तक सही है। मप्र में इन दिनों छह एईबी विंग काम कर रहे हैं। इन सभी में संयुक्त आयुक्त रैंक के अधिकारी के साथ टैक्स इंस्पेक्टर होते हैं। मंत्री ने कहा, लंबे समय से दूसरे राज्यों से आए वाहन बिना जांच के प्रदेश से पार हो रहे हैं। देवड़ा ने यह भी कहा कि राज्य कर विभाग अगर छापामार कार्रवाई बंद कर देगा तो प्रदेश में मौजूद सेंट्रल जीएसटी विभाग यह कार्रवाई कर लेगा। ऐसे में राजस्व उनके पूल में चला जाएगा। आयुक्त को लगता है कि एईबी में भ्रष्टाचार है तो उन्हें ऐसे अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस शासनकाल में वाणिज्यिक कर मंत्री रहे दिवंगत बृजेंद्र सिंह राठौर ने मार्च-19 में एईबी को खत्म करने का अल्टीमेटम दे दिया था। उनका तर्क था कि जीएसटी आने के बाद एईबी का कोई महत्व ही नहीं रह गया। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा था कि एईबी सरकार को सालाना राजस्व के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करता है तो उसे जारी रखने पर विचार हो सकता है।

कमिश्नर की दलील... जीएसटी के बाद इनका औचित्य नहीं, भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रहीं

मंत्री का जवाब...अन्य राज्यों में भी तो ये दस्ते काम कर रहे हैं, भ्रष्टाचार है तो कार्रवाई करें

विभागीय अधिकारियों को बताया- एईबी का विस्तार करेंगे

पिछले दिनों मंत्रालय में हुई बैठक के पहले चरण में सभी एईबी के प्रमुखों को बुलाया गया था। उसमें प्रेजेंटेशन में जाटव ने कहा कि वे राज्य कर विभाग का पुनर्गठन करना चाहते हैं। इसके तहत विभाग का डेटा एनालिसिस एंड रिसर्च विंग एईबी के साथ मर्ज किया जाएगा। इससे छापा मारने से पहले एईबी ज्यादा जानकारी जुटा सकेगी। दूसरे चरण में कमिश्नर ने मंत्री-पीएस को जो प्रेजेंटेशन दिया, उसमें छापामार विंग को ही खत्म करने की बात कही।

म.प्र. के 24 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट्स्तीन दिन झमाझम; इंदौर में भारी, तो भोपाल-ग्वालियर में होगी हल्की बारिश

मध्यप्रदेश में मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में 24 जिलों में अति भारी या भारी बारिश होने के आसार जताए हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इस कारण 12 से लेकर 14 तक प्रदेश भर में पानी गिर सकता है। रविवार से प्रदेश भर में बादल छाने लगे हैं।

प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बारिश

सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, शहडोल, नरसिंहपुर, छतरपुर, होशंगाबाद, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, रतलाम, उज्जैन और देवास में भारी बारिश हो सकती है। इसी तरह रीवा, शहडोल, जबलपुर, सागर, भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर और उज्जैन में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने या चमकने की संभावना भी की है।

7 साल में सबसे कम बारिश सितंबर में

जुलाई-अगस्त में झमाझम होने के बाद सितंबर में अब तक कोई भी स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं होने के कारण 11 दिन से अच्छी बारिश नहीं हुई है। ऐसे में प्रदेश के कई इलाकों जैसे, ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, रीवा, सीधी, झाबुआ और अलीराजपुर की स्थिति खराब हो गई है। इस साल सितंबर में अब तक बीते 7 साल में सबसे कम बारिश हुई है। अब तक कुल 2.16 इंच पानी ही गिरा है। साल 2019 में 17.48 बारिश हुई थी। यह बीते 10 साल में सबसे ज्यादा थी।

कोटे से 5 इंच बारिश ज्यादा

मध्यप्रदेश में 1 जून से अब तक करीब 40 इंच बारिश हो चुकी है। सामान्य रूप से अब तक 35 इंच बारिश होना चाहिए। यह सामान्य से 16त्न ज्यादा है। पूर्वी मध्यप्रदेश की स्थिति ज्यादा ठीक नहीं है। छतरपुर, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, पन्ना, रीवा, सतना, सीधी, शहडोल, सिंगरौली, उमरिया और टीकमगढ़ में सामान्य से कम बारिश हुई है। हालांकि सिर्फ रीवा और सीधी ही दो ऐसे इलाके हैं, जहां पर अभी तक कोटे की 70त्न तक बारिश नहीं हुई है। पश्चिमी मध्यप्रदेश में दतिया (32त्न) अलीराजपुर (30त्न) और झाबुआ (26त्न) ही ऐसे इलाके हैं, जहां पर बारिश का कोटा सामान्य से कम रहा है। इसके अलावा धार, मुरैना और ग्वालियर, में सामान्य से कम बारिश हुई है।

महाराज ने दलितों के साथ खाना खाया, रो पड़ी इमरती

सिंधिया ने कहा कि 2 अप्रैल 2018 के सामाजिक दंगों को प्रदेश आज भी नहीं भूला है। 2 अप्रैल 2018 का दिन इतिहास का एक काला दिन था, जिसे भुलाकर हम सभी को एक साथ मिलकर आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम में सिंधिया ने जाटव समाज के एक व्यक्ति के साथ एक ही प्लेट में खाना खाया। राज परिवार से होने के बावजूद सिंधिया बेहद आम तरीके से पेश आए तो अनुसूचित जाति समाज के लोग भी महाराज के अंदाज के मुरीद हो गए।

सिंधिया बोले-सभी वर्गों से हमारा प्रेम का नाता

मीडिया से बातचीत करते हुए सिंधिया ने कहा कि हमारी परंपरा है, हम पहले दूसरों को खाना खिलाते हैं, फिर खुद खाना खाते हैं, उसी परंपरा का निर्वहन मैंने किया है। सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर चंबल और रूक के सभी वर्गों से हमारा प्रेम का नाता है। खुद खाने से पहले दूसरों को अपने हाथों से भोजन परोसना और फिर सबके खाने में उनको संतुष्टि मिलती है।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करना प्रथम प्राथमिकता - मंत्री डॉ. मिश्रा

मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान क्रियान्वयन के लिये मंत्री समूह की बैठक आमंत्रित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिन 17 सितम्बर से राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार 31 अक्टूबर तक प्रदेश में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं में पात्र व्यक्तियों को प्राथमिकता से लाभान्वित किया जाएगा। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने अभियान के लिये गठित मंत्री समूह की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को फुल-प्रूफ कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अभियान के सफल क्रियान्वयन में कोई भी कमी न रहने पाये।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री श्री अरविंद भदौरिया एवं पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रामखेलावन पटेल ने भी अभियान को प्रभावी बनाने के लिये सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत पात्रताधारी व्यक्ति को केन्द्र एवं राज्य सरकार की लोक कल्याण के लिये संचालित की जा रही योजनाओं का लाभ मिल सके। अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री विनोद कुमार ने बताया कि सभी कलेक्टर्स को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान के प्रचार-प्रसार के लिये सभी माध्यमों का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त करने से वंचित न रहे।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में 10 लोग मध्यप्रदेश के, कश्मीर तक साथ जाएंगे; 3500 किमी पैदल चलेंगे

कन्याकुमारी से शुरू हुई कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल 117 यात्रियों में 10 यात्री मप्र के हैं। ये सभी लोग राहुल गांधी के साथ कश्मीर तक यात्रा में शामिल होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इस यात्रा के राष्ट्रीय समन्वयक हैं। वे भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हैं। मप्र से जो 10 लोग कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3500 किमी. राहुल के साथ चलेंगे, उनमें सीहोर के जिला पंचायत सदस्य बिजेंद्र उइके, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष नूरी खान, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव प्रतिभा रघुवंशी, सचिन द्विवेदी, परेश नागर, मुकेश परमार और मिथेंद्र दर्शन, अजय पटेल, संगीता ककड़िया और नितिन सिंह शामिल हैं।

कहते हैं कि सपने जिंदा हों तो आदमी कामयाब होता है ...

गेटवे को पिछले वर्ष गोवा में मिल्खा सिंह और गोवा के उप मुख्यमंत्री फ्रांसिस डिसूजा ने आईकॉन ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया था। अमरावती और अकोला में श्री गावंडेको युवा गौरव पुरस्कार मिल चुका है। गेटवे देवकॉन को हल ही मेंदुबई में बेस्ट टूरस्टेबल ब्रांड के लिए भी नॉमिनेशन प्राप्त हुआ है। तिरोले कुनबी समाज के अध्यक्ष स्त्री दलवी साहब और श्री रमेश मैदोंला जी द्वारा सम्मानित किया गया।

गेटवे ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री गोपाल गावंडे
युवा गौरव पुरस्कार प्राप्त करते हुए।
सातेगाँव, जिला-अमरावती, महाराष्ट्र

सक्सेस मंत्र- जिंदगी एक संग्राम है । लड़ना इसे पड़ेगा।।
जो नही लड़ेगा ।आगे नही बढ़ेगा।।

बचपन से ही व्यापारिक प्रवृत्ति रखने वाले श्री गोपाल गावंडे जी को उनके पिताजी ने केवल 2 रुपये दिएथे जो कि खर्चा करने की बजाय उन्होंने फिंगर की 1 पॉकेट लेकर मार्केट में बेचना शुरु किया जो कि धीरे-धीरे एक अच्छे व्यापार में बदल गया और अपने गाँव मेंएक किराना व्यापारी हो गए।

उसी के साथ अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद बाहर पहला कदम इंदौर शहर में रखा जहां न तो उनके पास कोई पैसा था ना किसी अपने का सपोर्ट और ना पूरी तरह से हिंदी आती थी । 4 अप्रैल 2004 को शुरु हुआ इंदौर का सफर जहां नौकरी की तलाश में भटकते हुए एक जगह इलेक्ट्रानिक्स वेईंग मशीन बेचना शुरु की ...कुछ दिन बाद आगे जाने के लिए सायकिल भी किस्तों में ली ऐसी परिस्थिति और ढेरों समस्या के बाद आतिश जाधव जी ने उन्हें रास्ता बताया कि आप बैंकिग में जाएं और वो होम फाइनेंस की लाइन से इंश्योरेन्स में उतरे इंदौर की जनता और अपने कर्तव्य से वो इस लाइन में भी सफल रहे।

फिर अपने खास दोस्त के कहने पर रियल एस्टेट व्यापार में उतरे जहां उतरते ही कुछ दिनों बाद जिस कंपनी के साथ जुड़े उसमें भी अच्छा कार्य किया और 14 अप्रैल 2010 को खुद की कंपनी गेटवे ग्रुप की शुरुआत की जिसमें उनकी धर्मपत्नी ममता गावंडे डायरेक्टर के साथ छोटे से 100 स्केवेयर फीट के ऑफिस से शुरुआत कर दिन दुनी रात चौगुनी रफ्तार तरक्की की । आज खुद के 3 ऑफिस इंदौर जैसे शहर में है । साथ ही धीरे-धीरे बिजनेस पार्टनर जुड़कर लगभग 6000 लोग जुड़े चुके है। कंपनी की अच्छी मार्केटिंग और पारदर्शिता ने लोगों के दिल जीते। इंदौर बायपास श्री जी वैली,संपत हिल्स जैसी जगह पर कई लोगों को आशियाना दिया उनके सपने पूरे किए। आज 14 से अधिक प्रोजेक्ट में काम कर रही कंपनी बड़वाह, भोपाल , मुंबई, हरदा में कदम रख चुकी है। गोपाल गावंडे जी का कहना है कि ये सफलता उन्हें श्री माताजी निर्मला देवी के आशीर्वाद और पत्नी ममता गावंडे और बड़े भाई कैलाश गावंडे जी के सहयोग से मिली । साथ ही लोगों की जरूरत का ध्यान रख रियल एस्टेट मार्केटिंग में एक अच्छा सराहनीय योगदान बनाया जहां ग्राहकों के लिए फैक्ट फाइंडिग फॉर्म बनाकर जरुरत समझी वहीं रियल एस्टेट व्यवसाय में जिस धोखाधड़ी का समाना लोगों को करना पड़ता है उसी को देखते हुए गोपाल गावंडे जी ने एक अच्छा फॉर्मूला बनाया जिससे लोग 100 प्रतिशत धोखाधड़ी से बच सकते है।

LLDD

L-Location अच्छी लोकेशन जहां लोग बसना चाहते है।
L-Legal ऐसी प्रापर्टी जो पूरी तरह वैध हो जिस पर लोन भी उपलब्ध हो।
D- Development ऐसा प्रोजेक्ट जो पूरी तरह डेवलप हो ।
D-Delivery जहां तुरन्त पजेशन मिल रहा हो।

शंकर गंज कॉलोनी में निगम द्वारा अतिक्रमण कार्रवाई

कृष्णपुरा छत्री पर तर्पण

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)